दैनिक

FAC NEWS फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल "SPEED MULTI"

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : १० | अंक:६३ | मुंबई,सोमवार १३ जुलाई २०२६ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

“मेलोडी’’ पर घंटों कवरेज, लेकिन छात्रों के मुद्दे पर गोदी मीडिया क्यों खामोश?

सोनम वांगचुक का अनशन और लोकतंत्र की परीक्षा

■ मो. सईद शेख

नई दिल्ली। देश के प्रख्यात इंजीनियर, शिक्षाविद् और सामाजिक नवप्रवर्तक सोनम वांगचुक का आमरण अनशन अब 15वें दिन में प्रवेश कर चुका है। समर्थकों के अनुसार लगातार उपवास के कारण उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही है और उनका लगभग 9 किलोग्राम वजन कम हो चुका है। इसके बावजूद उन्होंने अपना आंदोलन जारी रखा है, जिससे देशभर में चिंता का माहौल है। बताया जा रहा है कि वांगचुक का यह आंदोलन NEET पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर है। उनका कहना है कि यदि देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान करोड़ों मेहनती छात्रों के भविष्य को होता है। सोनम वांगचुक का नाम केवल एक वैज्ञानिक या आविष्कारक के रूप में नहीं जाना जाता। उन्होंने लद्दाख जैसे दुर्गम क्षेत्र में शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन और टिकाऊ विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। 'आइस स्तूप' जैसी अभिनव तकनीक ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। ऐसे व्यक्ति का लोकतांत्रिक तरीके से आमरण अनशन पर बैठना केवल एक व्यक्ति का विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था के प्रति गंभीर चिंता का संकेत माना

जा रहा है। अनशन के 15 दिन बीत जाने के बावजूद केंद्र सरकार की ओर से कोई ठोस संवाद सामने नहीं आने पर विपक्ष, सामाजिक संगठनों और कई शिक्षाविदों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि लोकतंत्र में असहमति की आवाज़ को सुनना और संवाद के माध्यम से समाधान निकालना सरकार की जिम्मेदारी होती है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच मीडिया की भूमिका पर भी बहस तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर कई लोग आरोप लगा रहे हैं कि करोड़ों छात्रों के भविष्य से जुड़े इतने बड़े मुद्दे को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल रही, जबकि अन्य विषयों को अधिक महत्व दिया जा रहा है। इसी वजह से यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या शिक्षा और युवाओं से जुड़े गंभीर मुद्दे राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं या नहीं। सोनम वांगचुक का अनशन अब केवल एक मांग तक सीमित नहीं रह गया है। यह शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता, युवाओं के भविष्य, जवाबदेही और लोकतांत्रिक संवाद की कसौटी बनता जा रहा है। आने वाले दिनों में सरकार इस आंदोलन पर क्या रुख अपनाती है, इस पर देशभर के छात्रों, अभिभावकों और नागरिकों की नजरें टिकी हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है–क्या देश अपने विचारों के वैज्ञानिकों और समाज की अंतरात्मा की आवाज़ को समय रहते सुनेगा, या फिर यह चुप्पी लोकतंत्र के लिए एक नई चिंता बन जाएगी?

30-30 करोड में बीजेपी खरीद रही है विधायक

उमर अब्दुल्ला ने लगाये गंभीर आरोप

क्या जम्मू-कश्मीर में अमित शाह का 'ऑपरेशन लोटस' रंगे हाथों पकड़ा गया है? 30-30 करोड़ का रेट किसने तय किया? बंगाल और महाराष्ट्र के बाद अब BJP की नज़र कश्मीर पर थी! मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भयंकर खुलासा किया है कि जम्मू के उनके एक विधायक को तोड़ने के लिए 20 से 30 करोड़ रुपये और मंत्री पद का ऑफर दिया गया था। लेकिन गद्दारी का यह दांव इस बार उल्टा पड़ गया !

चुनाव हारने के बाद विधायकों को खरीद कर पीछे के दरवाज़े से सत्ता हथियाने की यह साज़िश अब बेनकाब हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट में पूर्ण राज्य का दर्जा लौटाने का वादा करने वाली मोदी सरकार अब राजभवन (LG) के ज़रिए कश्मीर में तानाशाही चला रही है।

अब 20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र वाले दिन जंतर-मंतर पर भयंकर संग्राम होने वाला है! एक तरफ युवा (कॉकरोच पार्टी), दूसरी तरफ किसान और अब नेशनल कॉन्फ्रेंस ! क्या आपको लगता है कि BJP चुनाव हारने के बाद 30-30 करोड़ में लोकतंत्र खरीद रही है?

बीजेपी के पाप का घड़ा भर चुका है उमर अब्दुल्ला के बयान के बाद भड़की प्रियंका चतुर्वेदी

ऑपरेशन लोटस' वाले बयान पर कहा, 'मुझे इस बात पर कोई हैरानी नहीं है. भाजपा का पाप का घड़ा भरता जा रहा है, उन्हें लगता है कि वे किसी को भी खरीद सकते हैं... महाराष्ट्र में हमने यही देखा, बंगाल में TMC के साथ भी ऐसा देखा गया. बहुत सारे ऐसे राज्य हैं जहां भाजपा केवल नंबर जोड़ने की ताक में लगी रहती है और सरकार की उलटफेर करती है। ये सीधा-सीधा संविधान पर हमला है, ये सीधे तौर पर मतदाताओं के मत पर हमला है जो अपने मत से प्रतिनिधियों को बनाते हैं... इनकी (भाजपा) सत्ता की भूख इतनी हो गई है कि वे सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग करके सरकारें बनाने या बिगाड़ने के प्रयास करते हैं...'

मुंबई पुलिस के जांबाज़ों का सम्मान!

11 जुलाई 2026 को आयोजित मासिक अपराध समीक्षा सम्मेलन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मुंबई पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशंसा-पत्र देकर सम्मानित किया गया। अपराधों के खुलासे, दोषियों को सजा दिलाने, चोरी की संपत्ति बरामद करने और कर्तव्यनिष्ठ सेवा के लिए उन्हें यह सम्मान मिला।

महाराष्ट्र में हॉस्टल का खाना खाने के बाद 40 छात्र बीमार, 25 को अस्पताल में कराना पड़ा भर्ती

नंदुरबार। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के शहादा स्थित सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट के हॉस्टल में रहने वाले 40 छात्र खाना खाने के बाद बीमार पड़ गए। जिनमें से 25 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही जिला मजिस्ट्रेट मिताली सेठी ने शनिवार को शहादा के अस्पताल का दौरा करके छात्रों की हालत का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित बच्चों में फूड पॉइजनिंग और गैस्ट्राइटिस के लक्षण पाए गए हैं।

मजिस्ट्रेट मिताली सेठी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया, 'शहादा में जहां हमारा सोशल वेलफेयर हॉस्टल है, वहां 40 बच्चों को फूड पॉइजनिंग और गैस्ट्राइटिस की समस्या हुई है। इनमें से 25 बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीस बच्चे शहादा के रूरल हॉस्पिटल में हैं, और पांच बच्चों को ऑक्सीजन और ब्लड प्रेशर की समस्या थी, इसलिए उन्हें ICU में भर्ती किया गया है। सभी 25 बच्चे अभी ठीक हैं और मैं डॉक्टर से लगातार जानकारी ले रही हूं।'

मजिस्ट्रेट मिताली सेठी कहा कि रूरल हॉस्पिटल में भर्ती ज्यादातर छात्र ने अब ठीक हो गए हैं और कुछ समय तक निगरानी में रखने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। बच्चों के माता-पिता के रहने और खाने-पीने का इंतजाम किया जा रहा है।

लैब रिपोर्ट आने के बाद होगी कार्रवाई

जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि बीमारी का कारण पता लगाने के लिए खाने और उल्टी के सैंपल लैब में जांच के लिए लिए गए हैं। लैब के नतीजों के आधार पर हम ज़िम्मेदारी तय कर पाएंगे। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा और खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने आगे बताया कि हम हेडमास्टर, सोशल वेलफेयर ऑफिसर और वार्डन की जिम्मेदारी तय करने पर भी काम कर रहे हैं। पुलिस की टीम भी यहां मौजूद है और हम माता-पिता की चिंताओं को दूर करने के लिए पुलिस के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन अगले दो महीनों में हॉस्टल के कामकाज की समीक्षा करेगा। हम जिला फंड से और पैसे भी देंगे और माता-पिता के साथ मिलकर कमियों की पहचान करेंगे। जब तक यह सिस्टम ठीक से काम करने नहीं लगता, तब तक मैं खुद हर 15 दिन में इसकी समीक्षा करूंगा।

हाई टाइड के बाद जुहू बीच प्लास्टिक और सीवेज से ढका

जुहू बीच प्लास्टिक के कचरे और सीवेज के पानी से भर गया

मुंबई के सबसे मशहूर बीचों में से एक, जुहू बीच पर रविवार को ऊंची लहरों के साथ प्लास्टिक का कचरा और सीवेज का पानी बहकर आ गया, जिससे शहर में समुद्री प्रदूषण की बढ़ती समस्या उजागर हुई। किनारे पर बिखरे कचरे को देखकर पर्यावरणविदों और स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है; उनका कहना है कि

बार-बार होने वाली यह समस्या बेहतर कचरा प्रबंधन और तटीय संरक्षण की तत्काल आवश्यकता को दर्शाती है। ऊंची लहरों के बाद, अरब सागर से बड़ी मात्रा में प्लास्टिक की बोतलें, खाने-पीने की चीजों के रैपर, थर्मोकोल, फेंके हुए जूते-चप्पल, कपड़े, नारियल और घर का अन्य कचरा बहकर किनारे पर आ गया। बीच के कुछ हिस्सों में सीवेज वाला पानी भी जमा हुआ दिखाई दिया, जिससे सुबह टहलने आने वालों, पर्यटकों और स्थानीय विक्रेताओं के लिए माहौल खराब हो गया।

ज़्यादातर कचरा नालियों से आता है: जानकारों के मुताबिक, ज़्यादातर कचरा नालियों, नदियों और नालों से आता है जो समुद्र तक कचरा पहुँचाते हैं, खासकर मॉनसून के दौरान। फिर तेज़ लहरें और ज्वार-भाटा जमा हुए कचरे को वापस समुद्र तट पर धकेल देते हैं, जिससे शहर का अपना कचरा ही वापस उसके समुद्र तटों पर आ जाता है।

लाडली बहन योजना पर कैग रिपोर्ट के बाद सियासी घमासान, प्रशांत भूषण ने सरकार पर साधा निशाना

महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से शुरू की गई महाराष्ट्र सरकार की 'लाडकी बहन योजना' एक बार फिर विवादों में घिर गई है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की ताजा रिपोर्ट में इस योजना के बजट और वित्तीय प्रबंधन को लेकर गंभीर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है, जिसके बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

कैग रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस योजना के लिए ₹29,693 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया था, जबकि वास्तविक खर्च ₹33,237 करोड़ तक पहुंच गया। यानी करीब ₹3,541 करोड़ की अतिरिक्त राशि खर्च की गई, जो वित्तीय अनुशासन पर सवाल खड़े करती है।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि जनवरी से मार्च 2025 के बीच लगभग ₹15,586 करोड़ की बड़ी राशि बिना तत्काल आवश्यकता के 'वर्चुअल पर्सनल डिपॉजिट अकाउंट' में ट्रांसफर की गई। कैग ने इसे 'धन का भंडारण' करार दिया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठते हैं।

इस खुलासे के बाद वरिष्ठ वकील और सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत भूषण ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार की योजनाओं में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार और वित्तीय गड़बड़ियां हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पहले उन्होंने यूपीए सरकार के दौरान भ्रष्टाचार को उजागर किया था, लेकिन वर्तमान सरकार में भ्रष्टाचार पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है और लगभग हर योजना इससे प्रभावित है।

गौरतलब है कि लाडकी बहन योजना को लेकर पहले भी कई बार सवाल उठ चुके हैं। सख्त ई-केवाईसी और जांच के बाद लाखों महिलाओं के नाम लाभार्थियों की सूची से हटाए जाने की खबरें सामने आई थीं, जिससे योजना की पारदर्शिता और कार्यप्रणाली पर लगातार बहस जारी है।

अब कैग रिपोर्ट के सामने आने के बाद इस योजना को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और तेज होने की संभावना है।

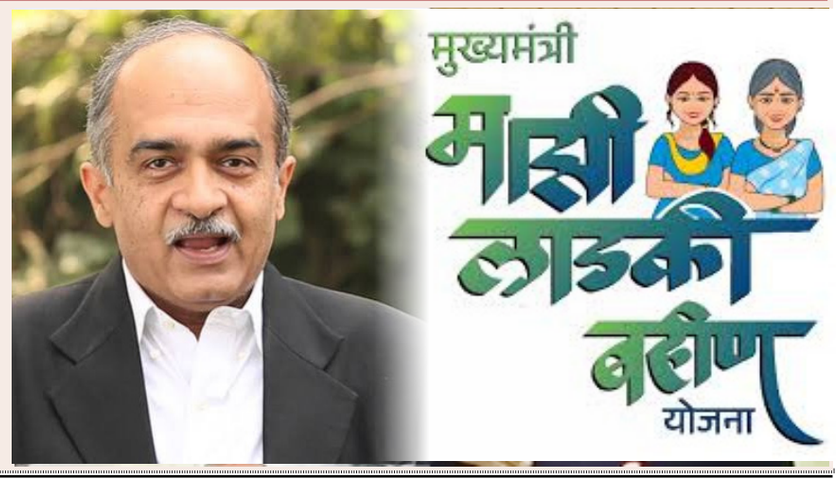

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

जांच होती है, रिपोर्ट आती है... फिर हादसे क्यों नहीं रुकते?

आजकल कई इमारतों में सुरक्षा के आधुनिक इंतजाम के नाम पर 'डिजिटल दरवाजे' लगा दिए जाते हैं, जो हादसे की स्थिति में काम करना बंद कर देते हैं और उसमें लोग फंस कर मारे जाते हैं।

आग और धुएं से घिरी एक बहुमंजिला इमारत तथा बचाव अभियान का प्रतीकात्मक दृश्य, जो भवन सुरक्षा, प्रशासनिक लापरवाही और हादसों में जवाबदेही के मुद्दे को दर्शाता है।

बार-बार होने वाले भवन हादसे केवल निर्माण की खामियों ही नहीं, बल्कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी और प्रशासनिक जवाबदेही के संकट को भी उजागर करते हैं।

आमतौर पर किसी हादसे के बाद उसके कारणों पर बात होती है। सरकार मामले की तह तक पहुंचने के लिए जांच एजेंसी गठित करती है। मगर उसके बाद शायद ही कभी कारणों के तमाम पहलुओं के आधार पर हादसों से निपटने के लिए कोई व्यापक कार्ययोजना बनती है और उसे एक नियमन की तरह देखा जाता है।

लगभग सभी दुर्घटनाओं और उनकी जांच रिपोर्ट को एक खास घटना के दायरे में समेट कर देखा जाता है। जबकि सबसे जरूरी यह होना चाहिए कि किसी हादसे के बाद उसके कारणों को ध्यान में रख कर भविष्य के लिए ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि वैसा दोबारा न हो। एक अहम पहलू यह भी है कि हमारे यहां हादसों के बाद संवेदना जाहिर करने से लेकर सवाल उठाने तक में तो कमी नहीं की जाती, लेकिन उससे बचाव के पूर्व-इंतजामों को लेकर शायद ही कभी गंभीरता दिखाई जाती है। यही वजह है कि एहतियाती उपायों की अनदेखी आखिर किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बनती है और उसमें जानमाल की क्षति होती है।

कुछ समय पहले दिल्ली और लखनऊ की दो अलग-अलग घटनाओं ने इस मसले पर सरकारी महकमों की उदासीनता और लापरवाही की एक अघोषित तौर पर चलती रहने वाली उस 'व्यवस्था' को उजागर किया, जो ऐसे हादसों की मूल वजह है। दरअसल, दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में एक इमारत में लगी आग में फंसने के बाद जहां इक्कीस लोगों की जान चली गई, वहीं लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में इसी तरह की घटना में पंद्रह विद्यार्थियों की मौत हो गई।

निश्चित तौर पर इसके लिए उन इमारतों के प्रबंधन की जवाबदेही बनती है, लेकिन सवाल है कि जिन लापरवाहियों या खामियों की वजह से वे भयावह हादसे हुए, उनकी जांच करने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी थी? कायदे से इसके लिए उन सरकारी महकमों और अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, जिनका दायित्व है कि वे समय-समय पर इमारतों में अग्निशमन से लेकर बचाव इंतजामों की जांच करें। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और लखनऊ में आग लगने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को नगर निकायों को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि समय-समय पर दिए गए निर्देशों का पालन न करने वाले शीर्ष अधिकारी अब व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। अदालत की यह टिप्पणी बेहद अहम है कि हादसों के बाद सिर्फ भवन निर्माताओं को गिरफ्तार किया जाता है, जबकि घटना वाले क्षेत्र के अधिकारियों को छोड़ दिया जाता है।

JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Non Goverment Organization
Reg. No. F-75914

NITI AYOG 12A,80G & CSR Registered

DONATE FOR POOR AND UNDERPRIVILEGED

Contact us 9930026943

SBI BANK
JANSEVA SOCIAL FOUNDATION
Account No:.39171751769
IFS Code : SBIN0012959

www.jansevasocialfoundation.com

701/ C Wing crystal Plaza opposite infinity mall Andheri West

मीटर बॉक्स में भीषण आग, धुएं से २१ लोग घायल; मिरा-भाईंदर की महापौर ने अस्पताल पहुंचकर जाना हाल

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा भायंदरः मीरा रोड स्थित पुराने पेट्रोल पंप के पास गोविंद नगर इलाके की सात मंजिला एक्वारिया इमारत में शुक्रवार देर रात करीब १:३० बजे मीटर बॉक्स में अचानक आग लग गई। आग से उठे घने धुएं के कारण इमारत में रहने वाले २१ निवासी दम घुटने से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए पंडित भीमसेन जोशी और हैदरी चोक स्थित हैदरी मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही मीरा-भायंदर की महापौर डिंपल मेहता ने अस्पताल पहुंचकर भर्ती घायलों का हालचाल जाना और उनके परिजनों से बातचीत की। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को सभी मरीजों का बेहतर और त्वरित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ साथ स्थानीय कॉंग्रेस नगरसेवकों ने भी अस्पताल का दौरा कर घायलों का हाल चाल लिया। महापौर ने कहा कि घायलों के उपचार और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए महानगरपालिका की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस दौरान उपमहापौर ध्रुवकिशोर पाटील, नगरसेवक भगवती शर्मा और सुरेश खंडेलवाल भी उपस्थित रहे।

अपने ही इलाज के लिए तरसता सरकारी अस्पताल

सरकारी भवन पर अवैध कब्जा, नगरसेविका ने प्रशासन से की तत्काल कार्रवाई की मांग

मीरा-भायंदरः जिस सरकारी अस्पताल का निर्माण लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए किया गया था, वही इमारत आज खुद बदहाली और अवैध कब्जे का शिकार हो गई है। मीरा-भायंदर महानगरपालिका के वार्ड क्रमांक-२४ स्थित पाली पुराने गांव में जिला परिषद द्वारा निर्मित और वर्तमान में महानगरपालिका के कब्जे वाली सरकारी अस्पताल की इमारत पर बाहरी लोगों द्वारा कथित रूप से अवैध कब्जा कर उसे रहने के लिए इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है।

वार्ड-२४ की नगरसेविका फ्रीडा बर्नड डिमेलो ने महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग और सार्वजनिक निर्माण विभाग को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि अवैध रूप से रह रहे लोग अस्पताल परिसर और कमरों में गंदगी फैला रहे हैं तथा खुले में शौच करने से पूरे इलाके में दुर्गंध फैल रही है, जिससे स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

पत्र में यह भी दावा किया गया है कि अस्पताल की पानी की लाइन और बिजली का अवैध उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा स्थानीय नागरिकों के अनुसार इमारत की कुछ खिड़कियां और दरवाजे निकालकर कबाड़ में बेच दिए गए हैं, जिससे सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है।

नगरसेविका फ्रीडा बर्नड डिमेलो ने कहा, 'जनता के इलाज के लिए बनी सरकारी अस्पताल की इमारत आज खुद संरक्षण की मोहताज हो गई है। अवैध कब्जे, गंदगी और सरकारी संपत्ति की चोरी बेहद गंभीर मामला है। प्रशासन को तत्काल कार्रवाई कर कब्जाधारियों को हटाना चाहिए, पूरी इमारत की सफाई कर सुरक्षित रूप से सील करना चाहिए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए स्थायी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।'

अपने पत्र में उन्होंने मांग की है कि संबंधित विभाग तत्काल स्थल निरीक्षण कर अवैध कब्जाधारियों को हटाए, भवन को सुरक्षित कर वहां स्थायी चौकीदार या सुरक्षा रक्षक की नियुक्ति करे, ताकि सरकारी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

29 जुलाई तक पूरा करें एन्यूमरेशन फॉर्म वितरण और डिजिटाइजेशन, जिलाधिकारी के निर्देश

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में चल रहे विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी योगेश कुंभेजकर ने अधिकारियों को 29 जुलाई तक एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण और डिजिटाइजेशन कार्य हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है। कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे, इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। प्रत्येक बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ), पर्यवेक्षक, सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी तथा निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी को निर्धारित समयसीमा में नियोजनबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में तहसील अनुसार अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। जिन क्षेत्रों में कार्य की गति अपेक्षाकृत धीमी है, वहां तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म भरने में सहयोग करें तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी उपलब्ध कराएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्राप्त फॉर्म का समय पर सत्यापन और रिकॉर्ड तैयार किया जाए तथा डिजिटाइजेशन कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो। सभी संबंधित अधिकारियों को नियमित समन्वय बनाए रखते हुए व्यक्तिगत जिम्मेदारी के साथ कार्य करने को कहा गया। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी, सभी उपविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। अंत में जिलाधिकारी योगेश कुंभेजकर ने नागरिकों से भी विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की।

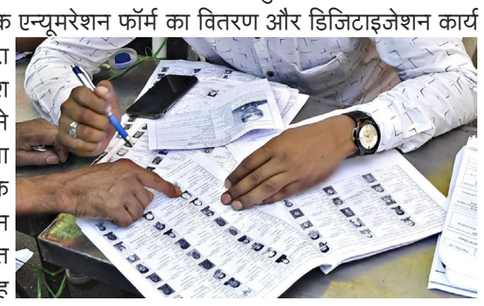

नाबालिग की पहाड़ी से धक्का देकर हत्याः आरोपी गिरफ्तार; क्या दोहराया गया 'सिया-केतन' जैसा हत्याकांड?

मुंबई : मुंबई के कांदिवली पूर्व स्थित समतानगर इलाके में एक नाबालिग लड़की की हत्या के मामले में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर आरोपी डिलीवरी बॉय सूरज मारुति वाघमारे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने कथित तौर पर युवती को पहाड़ी से धक्का देकर उसकी हत्या की। तकनीकी साक्ष्यों, खुफिया इनपुट और वैज्ञानिक जांच की मदद से आरोपी तक पहुंचा गया। मुंबई के कांदिवली पूर्व स्थित समतानगर इलाके में एक नाबालिग लड़की की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस का आरोप है कि युवती के साथ रिश्ते में रहे एक डिलीवरी बॉय ने उसे पहाड़ी से धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया। मामले की जांच करते हुए पुलिस ने घटना के करीब 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

आखिर पुलिस को घटनास्थल पर क्या मिला?

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह दामूनगर के पीछे स्थित पहाड़ी क्षेत्र में एक किशोरी का शव मिलने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही समतानगर पुलिस, क्राइम ब्रांच और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल की बारीकी से जांच कर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मृतका की पहचान कैसे हुई और शक की सुई किस पर गई?

जांच के दौरान पुलिस ने स्थानीय लोगों से पूछताछ, गुमशुदगी के रिकॉर्ड की जांच और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। इन प्रयासों के बाद मृतका की पहचान हुई। जांच में यह भी सामने आया कि किशोरी का सूरज मारुति वाघमारे नामक युवक के साथ प्रेम संबंध था। इसके बाद पुलिस ने उसी दिशा में जांच आगे बढ़ाई।

आरोपी तक पुलिस आखिर कैसे पहुंची?

तकनीकी जानकारी और खुफिया इनपुट के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध की तलाश शुरू की। पूछताछ और जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर युवक को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी डिलीवरी बॉय के रूप में काम करता है।

कबीर बहिया संग रिश्ते पर कृति सेनन ने तोड़ी चुप्पी!.. शादी की चर्चाओं से नाराज अभिनेत्री बोलीं-हर बार सफाई देना बेहद परेशान करने वाला

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन और ब्रिटेन में रहने वाले कारोबारी कबीर बहिया के कथित प्रेम संबंध की चर्चाएं लंबे समय से सोशल मीडिया और फिल्मी गलियारों में चलती रही हैं। इस बीच कृति का एक पुराना बयान फिर चर्चा में है, जिसमें उन्होंने अपनी निजी जिंदगी को लेकर फैलाई जा रही खबरों पर नाराजगी जताई थी। कृति ने एक साक्षात्कार में कहा था कि उनके बारे में गलत जानकारी फैलना बेहद निराशाजनक और परेशान करने वाला है। ऐसी खबरों का असर केवल उन पर ही नहीं, बल्कि उनके परिवार पर भी पड़ता है। अभिनेत्री के मुताबिक, शादी की अफवाहें सामने आने के बाद दोस्त और रिश्तेदार उन्हें संदेश भेजकर पूछने लगते हैं कि क्या खबर सच है। कृति ने कहा था कि उन्हें बार-बार स्पष्ट करना पड़ता है कि शादी से जुड़ी बातें सही नहीं हैं और वह फिलहाल विवाह करने के मूड में नहीं हैं। हालांकि, उनके इस बयान को कबीर बहिया के साथ कथित रिश्ते की स्पष्ट पुष्टि अथवा खंडन नहीं माना जा सकता, क्योंकि उन्होंने मुख्य रूप से शादी की अफवाहों और अपुष्ट खबरों पर प्रतिक्रिया दी थी। दोनों कई अवसरों पर साथ दिखाई दिए हैं, लेकिन कृति ने सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

आखिरी टी20 में बड़ा बदलाव! वैभव सूर्यवंशी ड्रॉप, श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर चुनी गेंदबाजी

भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आखिरी मुकाबला आज साउथेम्प्टन में खेला जा रहा है। मगर टॉस तय समयानुसार नहीं पाया और 45 मिनट की देरी हुई। क्योंकि भारतीय टीम ट्रैफिक की वजह से तय वक्त पर स्टेडियम में नहीं पहुंच पाई है। टीम इंडिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

श्रेयस अय्यर ने कहा कि हम पहले बॉलिंग करेंगे। पिछले कुछ गेम में हमने जो बॉलिंग की है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि हमने सब कुछ एक्सपीरियंस कर लिया है। आज के कंडीशन को देखते हुए, धूप खिली हुई है, विकेट में ज़्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि वे 100इ एफर्ट दें। मैं बस चाहता हूं कि उनका माइंडसेट सॉलिड हो, जहां वे मैदान पर जाकर अपना बेस्ट दें, न कि उदास रहें।

वैभव सूर्यवंशी बाहर

श्रेयस अय्यर ने बताया कि टीम में दो बदलाव किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन सुंदर की जगह सूर्यांश शेडगे। (वैभव) सूर्यवंशी की जगह सजनू सैमसन। हमें एक टीम के तौर पर आगे बढ़ने के लिए अपने लिए सबसे अच्छा करने की कोशिश करनी होगी।

इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टी20 से पहले बड़ा ड्रामा! टॉस के वक्त स्टेडियम नहीं पहुंची टीम इंडिया, क्या है वजह?

सीरीज पहले ही गंवा चुका है भारत

इंग्लैंड पहले ही 3-0 की अजेय बढ़त के साथ सीरीज अपने नाम कर चुका है। वहीं भारतीय टीम लगातार छह टी-20 मुकाबलों से जीत का इंतजार कर रही है। यदि इंग्लैंड यह मैच भी जीतता है तो उसे आईसीसी टी-20 टीम रैंकिंग में नंबर-1 बनने का मौका मिलेगा।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

भारत की प्लेइंग इलेवनः संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा

दहशत का साम्राज्य, गुमनामी की मौत...

करोड़ों की बरामदगी से फिर सुर्खियों में बाबा फर्जन

छत्रपति संभाजीनगर। 10 जुलाई को छावनी पुलिस स्टेशन की टीम ने पडेगांव स्थित कड़ी सुरक्षा वाले एक आलीशान बंगले पर छापा मारकर ऐसा खुलासा किया, जिसने पूरे शहर को चौंका दिया। तलाशी के दौरान पुलिस को चार रायफल, दो पिस्तौल, 6,350 जिंदा कारतूस, तलवारें, चाकू, कुकरी, भाले और अन्य घातक हथियार मिले। इसके अलावा करीब 21 लाख रुपये का सोना, 8 लाख रुपये की चांदी, 45 विदेशी शराब की बोतलें तथा 5 करोड़ 26 लाख 29 हजार 560 रुपये नकद बरामद हुए। इतनी बड़ी रकम गिनने में पांच नोट गिनने वाली मशीनों को भी लगभग 14 घंटे लगे। जांच में सामने आया कि यह बंगला बाबा फर्जन का था, जिसकी 15 जून 2026 को मृत्यु हो चुकी थी। उसकी मौत के समय ज्यादा चर्चा नहीं हुई, लेकिन बंगले से बरामद करोड़ों की संपत्ति ने एक बार फिर उस नाम को सुर्खियों में ला दिया, जो कभी पूरे संभाजीनगर में दहशत और प्रभाव का पर्याय माना जाता था।

पतंग उड़ाने वाला युवक कैसे बना शहर का सबसे प्रभावशाली डॉन

पारसी परिवार में जन्मे फर्जन के पिता होटल और बेकरी का व्यवसाय करते थे। बचपन में वह पतंगबाजी और खेलकूद का शौकीन था, लेकिन युवावस्था में अपराध जगत से जुड़ गया। उसने छोटी-मोटी वारदातों के बजाय जमीनों पर कब्जा, प्रॉपर्टी विवाद सुलझाने और बड़े आर्थिक सौदों के जरिए अपना दबदबा बनाया। कहा जाता है कि शहर में जमीन खरीद-बिक्री, करोड़ों की प्रॉपर्टी डील और कई राजनीतिक फैसलों पर भी उसका असर था। MIDC की कंपनियों, स्थानीय कारोबारियों और कई प्रभावशाली लोगों तक उसकी पहुंच थी। समय के साथ उसका बंगला शहर के प्रभावशाली लोगों की बैठकों का केंद्र बन गया और बाबा फर्जन का नाम संभाजीनगर की सबसे ताकतवर हस्तियों में गिना जाने लगा।

1988 के दंगों में चर्चा में आया नाम

1988 के सांप्रदायिक दंगों के दौरान बाबा फर्जन का नाम पूरे शहर में चर्चा का विषय बना। स्थानीय जानकारों के अनुसार, बड़ी भीड़ ने उसके बंगले पर हमला करने की कोशिश की थी। उस दौरान उसने अपनी सुरक्षा के लिए कथित रूप से फायरिंग की, जिसके बाद हमलावर पीछे हट गए। इस घटना के बाद उसने अपनी सुरक्षा और कड़ी कर दी तथा हथियारबंद सुरक्षा कर्मी तैनात किए। इसी दौर में उसका प्रभाव और बढ़ा तथा उसे लेकर दहशत की कई कहानियां शहर में प्रचलित हो गईं।

आखिरी वर्षों में खुद को दुनिया से कर लिया था अलग, मौत के बाद फिर चर्चा में आया नाम

1990 के दशक के बाद उसका राजनीतिक और आपराधिक प्रभाव धीरे-धीरे कम होने लगा। परिवार पुणे चला गया, लेकिन वह पडेगांव स्थित अपने बंगले में अकेला रहने लगा। उसने लगभग बाहरी दुनिया से संपर्क खत्म कर दिया। बताया जाता है कि नोटबंदी के दौरान भी उसने अपने पास रखे पुराने नोट नहीं बदलवाए। मधुमेह से पीड़ित होने के बावजूद इलाज के लिए अस्पताल नहीं गया और 15 जून 2026 को उसकी मृत्यु हो गई। अंतिम समय में उसके साथ केवल एक महिला हेल्पर मौजूद थी और पारसी रीति-रिवाजों के अनुसार उसका अंतिम संस्कार किया गया। जिस व्यक्ति के बारे में कभी कहा जाता था कि उसकी अनुमति के बिना शहर में कुछ नहीं होता, उसकी मौत पर खास चर्चा भी नहीं हुई। लेकिन 10 जुलाई को उसके बंगले से करोड़ों रुपये की नकदी, हथियार और अन्य सामान बरामद होने के बाद बाबा फर्जन का नाम एक बार फिर पूरे संभाजीनगर में चर्चा का विषय बन गया। उसकी कहानी इस बात का उदाहरण बन गई कि सत्ता, संपत्ति और दहशत चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, समय के साथ सब इतिहास बन जाता है।

देश के दर्द पर सन्नाटा, विदेश पर फौरन संवेदना?

सूरत में भारी बारिश से 41, मुंबई में 12, पुणे-पिंपरी चिंचवड़ में सरकारी इमारत गिरने से 9, और यवतमाल में 15 लोगों की मौत हो गई। देश में दर्जनों परिवार उजड़ गए, लेकिन इन घटनाओं पर प्रधानमंत्री की संवेदना को लेकर सवाल उठ रहे हैं। दूसरी ओर, विदेश में हुई त्रासदी पर तत्काल प्रतिक्रिया देखने को मिलती है। इसी बीच सरकारी स्कूलों पर ताले लग रहे हैं, पेपर लीक से छात्रों का भविष्य दांव पर है और अपने हक की मांग करने वाले शिक्षकों की तनख्वाह काटी जा रही है–क्या यही 'नया भारत' है?

अमरावती नगर निगम को मिले नए आयुक्त, डॉ. मंगेश गोंदावले ने संभाला कार्यभार

अमरावती। अमरावती नगर निगम के नवनियुक्त आयुक्त डॉ. मंगेश गोंदावले ने रविवार (12 जुलाई) को आधिकारिक रूप से पदभार ग्रहण कर लिया। राज्य के नगर विकास विभाग ने दो दिन पहले तत्कालीन आयुक्त वर्षा लढा का तबादला करते हुए उनकी जगह छत्रपति संभाजीनगर स्थित सिडको के मुख्य प्रशासक डॉ. गोंदावले की नियुक्ति की थी। पदभार संभालने के बाद पत्रकारों से बातचीत में डॉ. गोंदावले ने कहा कि नगर निगम के सभी विभागों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय से पहले संबंधित विषय की पूरी जानकारी और जमीनी स्थिति का आकलन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल उन्हें प्रारंभिक जानकारी मिली है, लेकिन जल्द ही सभी विभागों का गहन निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अमरावती के लिए ठोस कचरा प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक है। शहर को स्वच्छ बनाए रखने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कचरा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। यदि इस व्यवस्था में किसी प्रकार की अनियमितता या नागरिकों की शिकायतें सामने आती हैं तो उनकी भी गंभीरता से जांच की जाएगी। डॉ. गोंदावले ने बताया कि वह जल्द ही वार्डवार दौरा कर जमीनी स्तर पर विकास कार्यों और नगर निगम की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। केवल कार्यालयी रिपोर्टों पर निर्भर रहने के बजाय वास्तविक स्थिति का आकलन करने के बाद ही आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। नगर निगम की आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में आय के स्रोत सीमित हैं, जबकि स्थापना व्यय लगभग 54 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। बड़ी संख्या में पद रिक्त होने के कारण कई अधिकारी और कर्मचारी अतिरिक्त जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं। भविष्य में रिक्त पद भरने से वित्तीय बोझ और बढ़ सकता है, इसलिए सबसे पहले आय के नए स्रोत विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नगर निगम की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने, राजस्व बढ़ाने और शहर के लंबित विकास कार्यों को गति देने के लिए सभी विभागों की समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।

अमरावती में एफडीए का बड़ा एक्शन

'बाप्पू का किचन' और 'अल करीम होटल' के लाइसेंस रद्द

अमरावती। शहरवासियों को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने शहर के होटल, रेस्टोरेंट और भोजनालयों में विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान खाद्य सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर 'बाप्पू का किचन' और 'अल करीम होटल' के खाद्य व्यवसाय लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए गए। वहीं विभिन्न कमियां मिलने पर आठ अन्य होटल एवं भोजनालयों को सुधारात्मक कार्रवाई के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। एफडीए अधिकारियों की जांच में कई प्रतिष्ठानों के रसोईघर में साफ-सफाई की कमी, खाद्य पदार्थों का गलत तरीके से भंडारण, ग्राहकों के बैठने की जगह की अस्वच्छ स्थिति तथा खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों का पालन नहीं किए जाने जैसी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। अधिकारियों के अनुसार, ऐसी लापरवाही उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती है। जांच के दौरान रेलवे स्टेशन रोड स्थित 'अल करीम होटल' में शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थों को एक ही स्थान पर रखा जाना पाया गया। इसके अलावा उपयोग में लाए जा रहे चावल की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल उठे। रसोईघर की अस्वच्छ व्यवस्था, खाद्य पदार्थों के रखरखाव में लापरवाही और निर्धारित मानकों का उल्लंघन होने के कारण होटल का लाइसेंस रद्द कर दिया गया। इसी प्रकार 'बाप्पू का किचन' में भी स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा नियमों की गंभीर अनदेखी सामने आने पर उसका खाद्य व्यवसाय लाइसेंस निरस्त कर दिया गया। संबंधित संचालकों को आवश्यक सुधार करने और भविष्य में सभी नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। एफडीए ने स्पष्ट किया है कि शहर के होटल, रेस्टोरेंट और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगी। खाद्य सुरक्षा मानकों से समझौता करने वाले किसी भी प्रतिष्ठान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अमरावती आईटीआई के शिल्प निदेशक विनायक कांडलकर का निधन

अमरावती। संत गाडगेबाबा शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अमरावती में आरेखक (यांत्रिकी) निदेशक के पद पर कार्यरत विनायक आनंदराव कांडलकर (57), निवासी गुरुकुंज मोझरी का निधन हो गया। वे संस्थान परिसर स्थित शासकीय आवास में रह रहे थे, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से औद्योगिक प्रशिक्षण क्षेत्र के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी शोक की लहर दौड़ गई है। स्वर्गीय कांडलकर सत्यशोधक आंदोलन के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते थे। वे निर्भीक, स्पष्टवादी और बेबाक विचार रखने वाले प्रभावशाली वक्ता थे। सामाजिक मुद्दों पर उन्होंने हमेशा निस्वार्थ भाव से और निडर होकर अपनी बात रखी। अपने अध्ययनशील स्वभाव, सामाजिक प्रतिबद्धता और ईमानदार कार्यशैली के कारण वे सहकर्मियों, विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और मित्रों के बीच अत्यंत सम्मानित थे। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटियां तथा अन्य परिजन हैं। उनकी अंतिम यात्रा सोमवार, 13 जुलाई को दोपहर 3 बजे उनके गुरुकुंज मोझरी स्थित निवास से निकलेगी। इसके बाद गुरुकुंज मोझरी के हिंदू श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। विनायक कांडलकर के निधन से एक कर्तव्यनिष्ठ शासकीय कर्मचारी, सामाजिक सरोकारों से जुड़े सत्यशोधक कार्यकर्ता और बेबाक विचारों वाले निर्भीक वक्ता के रूप में समाज ने एक महत्वपूर्ण व्यक्तित्व को खो दिया है। उनके निधन पर विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक और औद्योगिक क्षेत्रों के लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे 13 जुलाई तक रिमांड पर

डोंबिवली: महाराष्ट्र के डोंबिवली स्थित कल्याण-डोंबिवली नगर निगम के शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों के साथ कथित मारपीट के मामले में महत्वपूर्ण कानूनी घटनाक्रम सामने आया। कल्याण की अदालत ने शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के पार्षद रमेश म्हात्रे और तीन अन्य सह-आरोपियों को 13 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। अदालत ने साथ ही पुलिस को निर्देश दिया कि हिरासत के दौरान रमेश म्हात्रे का हर छह घंटे में मेडिकल परीक्षण कराया जाए, क्योंकि रिमांड सुनवाई के दौरान उनके वकील ने उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का हवाला दिया था।

यह मामला सामने आने के बाद पूरे महाराष्ट्र के डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। सरकारी अस्पताल के भीतर डॉक्टरों, नर्सों और अन्य कर्मचारियों के साथ कथित मारपीट की घटना ने चिकित्सा समुदाय में सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, घटना मंगलवार देर रात डोंबिवली के सरकारी शास्त्रीनगर अस्पताल में हुई। आरोप है कि कुछ लोगों ने अस्पताल परिसर में घुसकर डॉक्टरों, नर्सों और अन्य कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया और उनके साथ मारपीट की। घटना के दौरान अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कुछ समय के लिए स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हुईं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद विष्णुनगर पुलिस थाना में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत एक महिला सहित पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। जांच के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी के रूप में शिवसेना (शिंदे गुट) के पार्षद रमेश म्हात्रे और अन्य आरोपियों को हिरासत में लिया। शुक्रवार को सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने आगे की जांच के लिए उनकी रिमांड की मांग की।

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकील ने अदालत को बताया कि रमेश म्हात्रे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इस पर अदालत ने पुलिस हिरासत तो मंजूर कर दी, लेकिन साथ ही यह भी निर्देश दिया कि आरोपी का हर छह घंटे में मेडिकल परीक्षण कराया जाए ताकि उनके स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा सके। अदालत ने स्पष्ट किया कि हिरासत के दौरान आरोपी के स्वास्थ्य संबंधी अधिकारों का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और अस्पताल के डॉक्टरों, कर्मचारियों तथा अन्य प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। जांच एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसमें किस-किस व्यक्ति की क्या भूमिका रही।राजनीति (दक्षिणपंथी)

इस घटना के बाद राज्यभर के डॉक्टरों और स्वास्थ्य संगठनों में रोष व्याप्त है। कई चिकित्सक संगठनों ने अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि अस्पतालों में आए दिन स्वास्थ्यकर्मियों पर हमले की घटनाएं चिंता का विषय हैं और ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

'शिकायत वापस लो, मुझसे शादी करो'... इनकार करते ही अमरावती में युवती को जिंदा जलाने की कोशिश

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती ग्रामीण क्षेत्र से महिलाओं की सुरक्षा को झकझोर देने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। शादी से इनकार करने और पहले दर्ज कराई गई शिकायत वापस लेने से मना करने पर एक 19 वर्षीय युवती को कथित तौर पर पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की कोशिश की गई। युवती

की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी और परिजन मौके पर पहुंच गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। आरोपी मौके से फरार हो गया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना कुरहा पुलिस थाना क्षेत्र में 11 जुलाई की दोपहर हुई। उस समय 19 वर्षीय युवती घर में अकेली थी। इसी दौरान आरोपी प्रतीक विलास ताठे उसके घर पहुंचा और पहले दर्ज कराई गई शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने लगा। आरोपी ने युवती से कहा कि यदि वह शिकायत वापस ले ले, तो वह उससे शादी कर लेगा। युवती ने स्पष्ट रूप से शादी से इनकार कर दिया और शिकायत वापस लेने से भी मना कर दिया। इससे गुस्साए आरोपी ने कथित तौर पर युवती के साथ जबरदस्ती की। धक्का-मुक्की के दौरान उसके कपड़े भी फट गए। इसके बाद आरोपी ने अपने साथ लाई पेट्रोल की बोतल निकाली और युवती के ऊपर पेट्रोल डाल दिया। इतना ही नहीं, उसने माचिस निकालकर उसे आग के हवाले करने की भी कोशिश की। डरी-सहमी युवती ने जोर-जोर से मदद के लिए चीखना शुरू किया। उसकी आवाज सुनकर पड़ोसी और परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे। लोगों को आता देख आरोपी वहां से फरार हो गया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर कुरहा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास, विनयभंग, धमकी सहित अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है और मामले की आगे की जांच जारी है। इस घटना ने एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सभी की निगाहें आरोपी की गिरफ्तारी और आगे की पुलिस कार्रवाई पर टिकी हैं।

खत्म हुआ पिंपरी चिंचवड, मोसी में रेस्क्यू ऑपरेशन

९ लोगों ने गंवाई अपनी जान

मुन्ना मुजावर

पिंपरीः मोशी कचरा डिपो पर सर्च ऑपरेशन के दौरान बिल्डिंग में मिले सात लोगों के शव शनिवार को चौथे दिन रात 8 बजे तक बरामद कर लिए गए। बिल्डिंग के बगल में कचरे के ढेर के नीचे फंसे एक व्यक्ति का शव रात 1 बजे बरामद किया गया। एक व्यक्ति का शव गुरुवार को बरामद किया गया था। हादसे में मरने वालों की संख्या नौ हो गई है। बुधवार दोपहर 2:30 बजे शुरू हुआ सर्च ऑपरेशन रविवार सुबह 1 बजे खत्म हुआ।

पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम के मोशी स्थित कचरा डिपो में 8 जुलाई को दोपहर करीब 1:30 बजे एक गंभीर हादसा हुआ, जब कचरे का ढेर 'वेस्ट टू एनर्जी' प्रोजेक्ट की एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग पर गिर गया। इस बिल्डिंग में कुल 23 नागरिक फंस गए थे, जिनमें से 22 बिल्डिंग में और एक बिल्डिंग के बगल में कचरे के ढेर के नीचे फंसा था। इनमें से पांच नागरिक बिल्डिंग से सुरक्षित बाहर निकल आए। इंडियन आर्मी, नेशनल डिज़ास्टर रिस्पॉन्स फ़ोर्स (NDRF), पिंपरी चिंचवाड़ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, PMRDA फ़ायर डिपार्टमेंट और पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन ने बचे हुए फंसे हुए नागरिकों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। रेस्क्यू टीम उसी दिन बिल्डिंग में फंसे नौ नागरिकों को सुरक्षित निकालने में कामयाब रही, जबकि बाकी लोगों को ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

इस बीच, 9 जुलाई को भावेश वानी नाम के एक नागरिक को बिल्डिंग से निकाला गया। उसे हॉस्पिटल ले जाया गया, जहाँ

डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस बीच, गिरी हुई बिल्डिंग में घुसने की कोशिशें युद्ध स्तर पर की जा रही थीं, लेकिन अंदर जाने का सुरक्षित रास्ता बनाने में कई मुश्किलें आ रही थीं, इसलिए 12 एक्सकेवेटर, डंपर और ब्वँ मशीनों का इस्तेमाल करके बिल्डिंग के आसपास का मलबा हटाने का काम किया गया। लेकिन क्योंकि गिरी हुई बिल्डिंग खतरनाक और अस्थिर थी, इसलिए बिल्डिंग में घुसने का रास्ता बनाने में मुश्किलें आ रही थीं।

शुक्रवार रात को, गिरी हुई बिल्डिंग के खतरनाक कंक्रीट वाले हिस्से को हटाने के लिए दो स्टेट-ऑफ-द-आर्ट डेमोलिशन एक्सकेवेटर मशीनें मौके पर लाई गईं। NDRF की टेक्निकल गाइडेंस में, इन मशीनों की मदद से बिल्डिंग के अस्थिर हिस्से को कंट्रोल तरीके से हटाया गया। इसके बाद, बिल्डिंग में फंसे लोगों को अंदर घुसकर निकाला गया। दिन भर चले सर्च ऑपरेशन के दौरान, बिल्डिंग में अक्षय सावंत (उम्र 35, मोशी), सुनील कोरके (उम्र 40, आलंदी), सनी माने (उम्र 39, गंधर्वनगरी, मोशी), महेश कुंभार (उम्र 33, छत्रपति संभाजीनगर), नागेश गायकवाड़ (उम्र 26, संजय गांधी नगर, मोशी), रंजीत पाटिल (उम्र 22, मोशी) और राहुल गायकवाड़ (उम्र 35, मोशी) मिले। इसके बाद, उन सभी को तुरंत पिंपरी के YCM हॉस्पिटल भेजा गया, जहाँ हेल्थ मेडिकल ऑफिसर डॉ. लक्ष्मण गोफाने ने जाँच करने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एक बिल्डिंग के पास कचरे के ढेर के नीचे फंसे वामन कस्बे नाम के नागरिक के लिए रात में युद्ध स्तर पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

इसके लिए NDRF डॉग स्क्वायड की मदद ली गई। सर्च ऑपरेशन के दौरान रात 1 बजे वामन कस्बे को ढूंढ लिया गया। उसे पिंपरी के भ्ण्श हॉस्पिटल भेजा गया। हॉस्पिटल ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके साथ ही इस हादसे में मरने वाले नागरिकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है।

पुणे ग्रामीण पुलिस का एक्शनः 4 अवैध देसी पिस्टल और 6 कारतूस के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार, 1.19 लाख का मुद्देमाल जब्त

मुन्ना मुजावर

पुणे ग्रामीण पुलिस ने अवैध हथियार रखने वाले अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। स्थानीय अपराध शाखा ने विभिन्न स्थानों पर चलाए गए अभियानों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चार देसी पिस्तौल और छह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत 1 लाख 19 हजार 500 रुपये है।

यह अभियान विशेष पुलिस महानिरीक्षक (कोल्हापुर रेंज) रंजन कुमार शर्मा और पुणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल के मार्गदर्शन में चलाया गया। पिछले तीन दिनों में, स्थानीय अपराध शाखा की टीमों ने दौंड और बारामती उपमंडलों से कुल सात देसी पिस्तौलें और 21 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं।पहले अभियान में, गुप्त सूचना के आधार पर बारामती के रुई पति के पास जाल बिछाया गया। इसमें ओम उर्फ लाला राजेंद्र कुडांडे (उम्र 20 वर्ष, निवासी भांगगांव, तालुका श्रीगोंडा, जिला अहिल्यानगर) को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 50,200 रुपये मूल्य की एक पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया और बारामती तालुका पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। दूसरा अभियान इंदापुर एस.टी. स्टैंड के पास चलाया गया। यहाँ शाहरुख इस्माइल मुजावर (उम्र 25, निवासी बावड़ा, तालुका इंदापुर) को गिरफ्तार किया गया। उसकी तलाशी के दौरान 50,800 रुपये मूल्य की दो देसी पिस्तौलें और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए। इस संबंध में इंदापुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

तीसरा ऑपरेशन यवत क्षेत्र के पटास में चांगुना होटल के पास हुआ। आरोपी सनी कुमार केसरी प्रसाद (25), जो उत्तर प्रदेश के प्रयागराज (इलाहाबाद) का निवासी है, को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 18,500 रुपये की एक पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया और यवत पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। यह कार्रवाई स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गणेश बिरादर और पुलिस निरीक्षक प्रमोद क्षीरसागर के नेतृत्व में पुलिस दल द्वारा की गई है। मामले की आगे की जांच जारी है।

धनकवड़ी स्थित श्री शंकर महाराज फ्लाईओवर के पास अज्ञात व्यक्ति की निर्मम हत्या

मुन्ना मुजावर

पुणे : धनकवड़ी स्थित श्री शंकर महाराज फ्लाईओवर के पास अज्ञात व्यक्ति की निर्मम हत्या, सिर पर सीमेंट का ब्लॉक मारकर उतारा मौत के घाट

पुणे के धनकवड़ी इलाके में पुणे-सातारा मार्ग स्थित श्री शंकर महाराज फ्लाईओवर के समीप एक अज्ञात व्यक्ति की बेरहमी से हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हमलावर ने व्यक्ति के सिर पर सीमेंट का भारी ब्लॉक मारकर उसकी हत्या कर दी। मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। सहकारनगर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, शनिवार (11 जुलाई) की देर रात श्री शंकर महाराज फ्लाईओवर के पास स्थित अंडरपास में अज्ञात व्यक्ति पर सीमेंट के भारी ब्लॉक से हमला किया गया। रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने एक व्यक्ति को अंडरपास में गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा देखा, जिसके बाद इसकी सूचना तुरंत सहकारनगर पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सहायक पुलिस आयुक्त गजानन पवार तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विठ्ठल पवार अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके का पंचनामा किया, जहां खून से सना सीमेंट का ब्लॉक और फर्श पर खून के निशान मिले। घायल व्यक्ति को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार शुरू होने से पहले ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

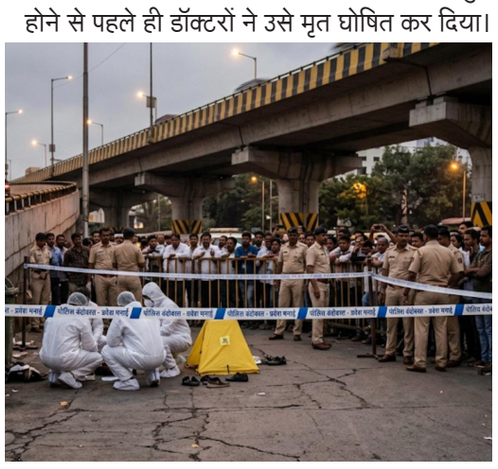

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि मृतक संभवतः एक बेघर या घुमंतू व्यक्ति था। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और हत्या के पीछे के कारणों तथा आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। मामले की जांच अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक संतोष जाधव के मार्गदर्शन में की जा रही है।

घरेलू कामगार ने उड़ाए 7.30 लाख के गहने, हडपसर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूरा माल किया बरामद

मुन्ना मुजावर

हडपसर पुलिस ने हडपसर इलाके से 73 लाख रुपये के सोने के आभूषण चुराने वाली एक नौकरानी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नौकरानी का नाम अंबिका सदाशिव खारदगेकर (उम्र 38 वर्ष, निवासी साडे सतारा नाली, हडपसर) है। पुलिस ने उसके पास से चोरी हुए सभी आभूषण बरामद कर लिए हैं।यह घटना हडपसर इलाके में सामने आई। घर के कामों के लिए आने-जाने वाली नौकरानी ने मालकिन के साथ विश्वासघात किया और मुख्य शयनकक्ष में रखे बैग से 7 लाख 20 हजार रुपये के सोने के गहने चुरा लिए। इस संबंध में 4 जुलाई, 2026 को हडपसर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई।

मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। घर के ताले या अलमारियां तोड़ने के कोई निशान नहीं मिले। इससे घर में नियमित रूप से आने वाले व्यक्ति पर संदेह पैदा हुआ। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विश्वजीत कैंगडे, सहायक पुलिस निरीक्षक विजय पाटिल, पुलिस सब-इंस्पेक्टर सत्यवान गेंद और जांच दल के मार्गदर्शन में नौकरानी अंबिका खडगेकर से पूछताछ की गई। शुरू में अंबिका ने गोलमोल जवाब दिए, लेकिन निजी पूछताछ के बाद उसने कबूल किया कि उसने पैसे की जरूरत के चलते गहने चुराए थे। पुलिस ने उसके पास से 15.550 ग्राम सोने का कंगन, 9.550 ग्राम सोने की चेन और 15.800 ग्राम रंगीन मोतियों वाली सोने की चेन जब्त की, जिनकी कुल कीमत 7.30 लाख रुपये है।इस अपराध की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक विजय पाटिल और पुलिस कांस्टेबल नीलेश किर्वे द्वारा की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (जोन 6) जीवन बेनीवाल, सहायक पुलिस आयुक्त अतुलकुमार नवगिरे और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विश्वजीत काइंगड़े, पुलिस निरीक्षक (अपराध) नीलेश जगदाले के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक विजय पाटिल, पुलिस उपनिरीक्षक सत्यवान गेंदे, पुलिस अमलदार दीपक कांबले, नीलेश किर्वे, बापू लोनकर, भाऊसाहेब कटके, अजीत मदाने, कुंडलिक केसकर, भगवान हंबर्डे, अनिरुद्ध सोनावणे की टीम ने काम किया। महेश चव्हाण, तुकाराम झुंझर, आकाश धावड़े, विजय काणेकर, धीरज शेलार, महावीर लोंढे और शीतल खलदकर ने इस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

पुणे में आधी रात पत्नी से हुआ जोरदार विवाद, गुस्से में पति ने जलाई माचिस; देखते ही देखते घर में लगी भीषण आग

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे के सिंहगढ़ रोड इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक मामूली कहासुनी पर पति ने गुस्से में आकर पूरे घर में आग लगा दी। इस भीषण आग में न सिर्फ पूरा घर जलकर राख हो गया, बल्कि घर में सो रहे तीन निर्दोष लोगों की भी मौत हो गई। इस चौंकाने वाली घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना सिंहगढ़ रोड स्थित सावित्रीबाई फुले कॉलोनी में घटी। दयानंद कासबे और उनकी पत्नी मोहिनी कासबे यहीं रहते हैं। शनिवार रात को पारिवारिक मामलों को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हुई। बहस इतनी बढ़ गई कि दयानंद ने अपना आपा खो दिया। गुस्से में आकर उसने घर से कपड़े और अन्य सामान इकट्ठा किया और उसमें आग लगा दी।आग तेजी से फैल गई और पूरा घर धुएं और लपटों से घिर गया। चौंकाने वाली बात यह है कि जब दयानंद ने घर में आग लगाई, तब घर में तीन पालतू बिल्लियाँ थीं। तीनों ही आग और धुएं के कारण दम घुटने से मर गईं।

आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

इस आपराधिक कृत्य के कारण घर का सारा सामान और पूरा परिवार जलकर राख हो गया। इस भयावह घटना के बाद पत्नी मोहिनी दयानंद कास्बे (उम्र 36) तुरंत पुलिस स्टेशन पहुंची और अपने पति के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। सिंहगढ़ रोड पुलिस ने आरोपी पति दयानंद कास्बे (उम्र 38) के खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

पुणे में पानी कटौती पर अगले हफ्ते होगा अंतिम फैसला; डैम क्षेत्रों में भारी बारिश लेकिन पूर्वी हिस्सा अब भी सूख

जुलाई के शुरुआती दिनों में हुई मूसलाधार बारिश ने पुणे जिले में मॉनसून की तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। 11 जुलाई तक के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जिले के पश्चिमी छोर पर स्थित डैम क्षेत्रों और पहाड़ी इलाकों में औसत से काफी अधिक बारिश दर्ज की गई है। कई प्रमुख स्थानों पर पिछले साल की तुलना में इस बार बारिश में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, जिससे जलाशयों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।

हालांकि, जिले का पूर्वी हिस्सा अभी भी एक अच्छी और संतोषजनक बारिश का इंतजार कर रहा है, वहां पश्चिमी इलाकों जैसी भारी वर्षा नहीं हुई है। इसी बीच, पुणे में जारी पानी कटौती को लेकर अगले सप्ताह अहम फैसला होने की उम्मीद है।

पालकी यात्रा के लिए नागरिकों को दी गई अस्थाई राहत की अवधि आज समाप्त हो रही है। पुणे शहर को पानी की मुख्य आपूर्ति करने वाले खडकवासला डैम परिसर में इस साल अब तक 411 मिलीमीटर बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो पिछले साल इसी अवधि में हुई 390 मिलीमीटर बारिश से लगभग पांच प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा, टेमघर डैम क्षेत्र में 1,225 मिलीमीटर, वरसगांव में 1,555 मिलीमीटर और पानशेत में 985 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। इन तीनों डैम क्षेत्रों में पिछले साल की तुलना में बारिश का आंकड़ा थोड़ा कम जरूर रहा है, लेकिन वर्तमान जलस्तर को देखते हुए इसे संतोषजनक माना जा रहा है। दूसरी ओर, मुलशी डैम क्षेत्र में इस सीजन की सबसे जबरदस्त 2,696 मिलीमीटर बारिश देखने को मिली है, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 33 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, पवना डैम क्षेत्र में भी 1,485 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। पश्चिमी हिस्से में हुई इस भारी बारिश की वजह से प्रमुख डैमों के जलभंडारण में 13 टीएमसी की बढ़ोतरी हुई है, जिससे जल संकट से बड़ी राहत मिलेगी।

रेल सेवाएं प्रभावित होने पर एमएसआरटीसी का बड़ा फैसला, मुंबई-पुणे रूट पर 200 अतिरिक्त बसें

: मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर 30 ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों को हो रही परेशानी के बीच महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन महामंडल (एमएसआरटीसी) ने राहत देने का निर्णय लिया है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने घोषणा की कि शनिवार से मुंबई-पुणे

मार्ग पर प्रतिदिन 200 अतिरिक्त बस फेरों का संचाल न किया जाएगा, ताकि यात्रियों को वैकल्पिक और सुगम परिवहन सुविधा मिल सके।

नियमित सेवाओं के साथ अतिरिक्त बसें

रेल सेवाएं बाधित होने के कारण बड़ी संख्या में यात्रियों को यात्रा संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए एमएसआरटीसी ने अपनी नियमित 312 ई-शिवनेरी बस सेवाओं के अल वा 200 साधारण बसें भी इस मार्ग पर चलाने का निर्णय लिया है। इससे दोनों शहरों के बीच यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

जरूरत के अनुसार बढ़ेंगी बस सेवाएं

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि यात्रियों की संख्या और भीड़ को देखते हुए संबंधित डिपो अधिकारियों को आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बसें संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी यात्री को परिवहन सुविधा के अभाव में परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

यात्रियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता

एमएसआरटीसी ने कहा कि वह स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। यदि यात्रियों की संख्या बढ़ती है तो बस सेवाओं में और वृद्धि की जाएगी। विभाग का उद्देश्य सुरक्षित, समयबद्ध और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराना है, ताकि रेल सेवाएं प्रभावित होने के बावजूद यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

हजारों यात्रियों को मिलेगी राहत

मुंबई और पुणे के बीच प्रतिदिन बड़ी संख्या में नौकरीपेशा लोग, विद्यार्थी और अन्य यात्री सफर करते हैं। ऐसे में अतिरिक्त बस सेवाओं की शुरुआत से ट्रेनों के रद्द होने से प्रभावित यात्रियों को वैकल्पिक परिवहन का बेहतर विकल्प मिलेगा और यात्रा का दबाव भी काफी हद तक कम होने की संभावना है।

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)